



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 204] नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 6, 1993/चैत्र 16, 1915
No. 204] NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 6, 1993/CHAITRA 16, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

धर्म मंत्रालय

प्रावेश

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1993

का.प्रा. 226(अ).—जबकि एयर इंडिया के प्रबंधन और उनके कर्मकारों, जिसका प्रतिनिधित्व इंडियन फ्लाइट इंजीनियर्स एसोसिएशन कर रही है, के बीच एक औद्योगिक विवाद उत्पन्न हो गया था ;

जबकि केन्द्रीय औद्योगिक संबंध तंत्र द्वारा प्रबंधन और उपर्युक्त एसोसिएशन के बीच करवाई गयी संराधन कार्यवाही असफल हो गयी है ;

जबकि संराधन कार्यवाही में प्रगति के बावजूब उक्त एसोसिएशन ने अपनी मांगों के अनुसरण में 27 फरवरी, 1993 के 00.00 समय से अनिश्चितकालीन हड़ताल का सहारा लिया ;

जबकि केन्द्रीय सरकार ने, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7ख द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण का गठन किया है जिसका मुख्यालय बम्बई में होगा और केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं भ्रम न्यायालय, कलकत्ता के पीठासीन अधिकारी न्यायमूर्ति श्री एम.एन. राय को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया है तथा उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आदेश संख्या एल-11011/1/93-आई आर (विविध) दिनांक 2 अप्रैल, 1993 के तहत उक्त औद्योगिक विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये उक्त राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण के लिये निविष्ट कर दिया है ;

जबकि यह सूचना मिली है कि उपर्युक्त एसोसिएशन द्वारा की गयी हड़ताल अभी भी जारी है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा तत्काल प्रभाव से लोकहित में उक्त हड़ताल को जारी रखने को प्रतिषिद्ध करती है।

[संख्या एल-11011/1/93-आई आर (विविध)]

पी. प्रेमा प्रसाद बाबू, भ्रम एवं रोजगार सलाहकार

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 6th April, 1993

S.O. 226(E).—Whereas an industrial dispute arose between the Management of Air India and their workmen represented by Indian Flight Engineers' Association ;

Whereas the conciliation proceedings held between the Management and above said Association by the Central Industrial Relations Machinery have failed ;

Whereas the said Association resorted to an indefinite strike from 00.00 hours of 27th Feb., 1993 in pursuance of their demands even while the conciliation proceedings were in progress ;

Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by Section 7B of the ID Act, 1947 (14 of 1947) have constituted a National Industrial Tribunal with headquarters in Bombay and appointed Mr. Justice M. N. Roy, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Calcutta as the Presiding Officer and have in exercise of the powers conferred by Sub-section (1A) of Section 10 of the said Act, referred the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication vide Order No. L-11011|1|93-IR(Misc.) dated 2nd April, 1993 ;

Whereas the said Association resorted to an indefinite strike from 00.00 hours ciation is still continuing ;

Now, therefore, the Central Government in exercise of the powers conferred under Sub-section 3 of Section 10 of I. D. Act, 1947 (14 of 1947), hereby prohibits the continuance of the aforesaid strike in Public interest with immediate effect.

[No. L-11011|1|93-IR(Misc.)]

P. PREMA PRASAD BABU, Labour & Employment Adviser

